Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding trade with Central Asian countries and Gulf nations through Khalra border in Punjab.

श्री जसबीर सिंह गिल (खडूर साहिब): अध्यक्ष महोदय, पंजाब में चावल की पैदावार 170 लाख टन है, गेहूं की पैदावार 101 मिलियन टन है, शुगर केन की पैदावार 31 हजार मिलियन टन है, मक्के की 3 लाख 81 हजार टन है, मस्टर्ड की 560 मिलियन टन है, कॉटन की 1 लाख 28 हजार टन है और भारत में जितनी सब्जियां पैदा होती हैं, उसका 6 परसेंट पंजाब में होता है । इसमें पांच परसेंट फ्रूट होता है और तीन परसेंट फूल होते हैं । पंजाब में अजवायन और सौंफ जैसी स्पाइसेज की पैदावार भी होती है । इन सबकी बहुत थोड़ी शेल्फ लाइफ होती है और ज्यादा देर तक हम इनको स्टोर करके नहीं रख सकते हैं । इसका एक ही तरीका है कि हमारा जो खालड़ा बॉर्डर है, जहां से वर्ष 1965 के बाद से ट्रेड बंद है, यहां से सेंट्रल एशियन कंट्रीज, गल्फ कंट्रीज और नेबरिंग कंट्रीज के साथ ट्रेड होता था और हम एक्सपोर्ट करते थे । सर, मेरा सरकार से निवेदन है कि जल्दी से जल्दी खालड़ा बॉर्डर से इसका ट्रेड शुरू किया जाए ताकि लोगों को और किसानों को इसका फायदा हो सके । पंजाब में इंडस्ट्री नहीं है । 80 परसेंट लोग खेती के साथ जुड़े हुए हैं । उनका एक ही तरीके से हम बचाव कर सकते हैं और सरकार का भी एजेंडा है जिसके अधीन किसान की इनकम दोगुनी करनी है । इसके लिए सबसे सरल और बढ़िया तरीका खालड़ा बॉर्डर से ट्रेड शुरू करने का है । मेरा यही निवेदन है कि जल्दी से जल्दी यहां से ट्रेड शुरू करवाया जाए ।

माननीय अध्यक्ष :

श्री डी.एन.वी. सेंथिलकुमार एस. को श्री जसबीर सिंह गिल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।